HINDI 08 AUGUST 2018

248. एक लाठी से सबको हाँकना - बिना विचार किये व्यवहार
249. एँड़ी-चोटी का पसीना एक करना - खूब परिश्रम करना
250. खून-पसीना एक करना- अधिक परिश्रम करना
251. डेढ़ चावल की खिचड़ी पकाना - अलग-अलग होकर काम करना
252-255. सही जोड़ी बनाइए -

दो कौड़ी का आदमी -	(A) दोनों पक्षों से मेल रखना
दो टूक बात कहना -	(B) जल्द मरने वाला
दो दिन का मेहमान -	(C) तुच्छ व्यक्ति
दो नाव पर पैर रखना-	(D) लड़ना
दो -दो हाथ करना -	(E) स्पष्ट कह देना

1. CDABE 2. BCAED
3. CEBAD 4. ECADB

256. अढाई दिन की हुकूमत - कुछ दिनों की शानोशौकत
257. अढाई चावल की खिचड़ी अलग पकाना - सबसे अलग रहना
258. तीन तेरह होना - बिखर जाना
259. कौड़ी का तीन समझना - तुच्छ समझना
260. छः पाँच करना - आनाकानी करना
261. छठी का दूध याद करना - सुख भूल जाना
262. षटराग (खटराग) अलापना - रोना-गाना/बखेड़ा शुरू करना
263. आठ-आठ आँसू रोना - बुरी तरह पछताना
264. नौ-दो ग्यारह होना - चम्पत होना
265. पौ बारह होना - खूब लाभ होना
266. उन्नीस बीस का अंतर होना - एक का दूसरे से कुछ अच्छा होना
267. निन्यानवे के फेर में पड़ना - धन जमा करने के चक्कर में पड़ना
268. अपना उल्लू सीधा करना - मतलब निकालना
269-273. सही जोड़ी बनाइए –

आस्तीन का साँप-	(A) निकम्मा
धोबी का कुत्ता -	(B) बहुत घातक व्यक्ति
कोल्हू का बैल -	(C) कपटी मित्र
बगुला भगत -	(D) खूब परिश्रमी
कालानाग -	(E) कपटी

274. ऊँट के मुँह में जीरा - आवश्यकता से बहुत कम
275-279. सही जोड़ी बनाइए -

पेट में चूहे कूदना -	(A) व्यर्थ तर्क
बन्दरघुड़की देना -	(B) डर से दबना
भीगी बिल्ली होना -	(C) गया-बीता
भाड़े का टट्टू -	(D) जोर की भूख
मीन-मेख करना -	(E) धमकाना

280. कागजी घोड़े दौड़ाना - केवल लिखा-पढ़ी में ही पूरा काम कर दिखाना
281. "उड़ती चिड़िया पहचानना" मुहावरे का अर्थ है-
1. सीमित दायरे में भटकना
2. मन या रहस्य की बात जानना
3. विनाश के लक्षण प्रकट होना
4. सांसरिक कठिनाइयों का ज्ञान होना

287. काला अक्षर भैंस बराबर - अनपढ़, निरा मूर्ख
288. "चींटी के पर लगना" मुहावरे का अर्थ है-
1. सीमित दायरे में भटकना
2. मन या रहस्य की बात जानना
3. विनाश के लक्षण प्रकट होना
4. सांसरिक कठिनाइयों का ज्ञान होना

289. जीती मक्खी निगलना - जान-बूझकर कोई अशोभनीय कार्य करना
290. साँप-छछूंदर की हालत - दुविधा
291. कान पर जूँ न रेंगना - ध्यान न देना, अनसुनी करना
292. हाथ के तोते उड़ना - घबरा जाना
293. अंडे का शाहजादा - अनुभवहीन
294. थाली का बैंगन होना - जिसका विचार स्थिर न रहे
295. घाव पर नमक छिड़कना - दुःख में दुःख देना
296. कटे पर नमक छिड़कना - विपत्ति के समय और दुःख देना
297. नमक अदा करना - फर्ज पूरा करना, प्रत्युपकार करना
298. नमक-मिर्च लगाना - बढ़ा-चढ़ाकर कहना
299-303. सही जोड़ी बनाइए -

अन्न लगना -	(A) बैठे-बैठे खाना
राई से पर्वत होना -	(B) खूब मारना
रोटियाँ तोड़ना -	(C) स्वस्थ रहना
लोहे के चने चबाना -	(D) छोटे से बड़ा होना
हल्दी-गुड़ पिलाना -	(E) कठिनाई झेलना

1. CDEAB 2. DEBCA
3. CADEB 4. CDAEB

304. अन्न-जल उठना - रहने का संयोग न होना, मरना
305. अपनी खिचड़ी अलग पकाना - स्वार्थी होना
306. आटे-दाल का भाव मालूम होना - सांसरिक कठिनाइयों का ज्ञान होना
307. दाल गलना - कामयाब होना, प्रयोजन सिद्ध होना
308. पापड़ बेलना - दुःख से दिन काटना
309. घी के दीए जलाना - अप्रत्याशित लाभ पर प्रसन्नता
310. खटाई में पड़ना - झमेले में पड़ना, रुक जाना
311. मन के लड्डू खाना - व्यर्थ की आशा पर प्रसन्न होना
312-316. सही जोड़ी बनाइए -

कोदो देकर पढ़ना -	(A) बनाया काम बिगाड़ना
गुड़ गोबर करना -	(B) खराब अनुभव होना
जी खट्टा होना -	(C) बात को तूल देना
टेढ़ी खीर -	(D) अधूरी शिक्षा पाना
तिल का ताड़ बनाना -	(E) कठिन काम

1. DABEC 2. DEBCA
3. CADEB 4. DCAEB

CLICK ON THIS VIDEO

Mahendra's
YOUR SUCCESS IS OUR SUCCESS
Specialized in Banking, SSC, Railway & other Competitive Examinations

TOLL FREE NO : 1800-103-5225 (9 am to 6 pm)